क्विक हील फाउंडेशन ने साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा अवार्ड्स 2025 में वॉलंटियर्स को किया सम्मानित

नई दिल्ली। क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की सीएसआर शाखा, क्विक हील फाउंडेशन ने 'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' अवार्ड्स 2025 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम उन संस्थानों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के समर्पित प्रयासों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया, जिन्होंने भारत में साइबर सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस खास मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन, पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. प्रकाश महानवर और क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुश्री अनुपमा काटकर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अलावा, क्विक हील की लीडरशिप टीम के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डॉ. कैलाश काटकर, संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. संजय काटकर, और सीईओ श्री विशाल साल्वी भी उपस्थित रहे।

'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' पहल युवाओं को जरूरी डिजिटल और नेतृत्व कौशल से सशक्त बनाने पर जोर देती है। यह उन्हें आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एक मंच भी देती है। यह कार्यक्रम 'डिजिटल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को साकार करने में मदद करता है, खासकर उन समुदायों के लिए जो अब तक इस पहल से दूर रहे हैं। नुक्कड़ नाटक, वर्कशॉप, और डिजिटल अभियानों जैसे अनोखे तरीकों से यह पहल अब तक लाखों लोगों तक पहुंच चुकी है।

इस अवसर पर क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुश्री अनुपमा काटकर ने कहा कि साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने की हमारी यात्रा लगातार मजबूत हो रही है, जिसमें युवाओं का सशक्तिकरण और विकास सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की उपलब्धियां हमारे प्रतिभागियों के समर्पण, साहस और रचनात्मकता को दिखाती हैं। ये वही युवा हैं जो भविष्य में हमारे देश के साइबर सुरक्षा लीडर बन सकते हैं और एक सुरक्षित डिजिटल भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

विद्यार्थियों, शिक्षकों और संस्थानों की मेहनत और प्रतिबद्धता को देखकर मुझे बहुत गर्व और आभार महसूस हो रहा है। उनकी कोशिशें न केवल लोगों को डिजिटल सुरक्षा का ज्ञान देती हैं, बल्कि हमारे समाज के डिजिटल ढांचे को भी मजबूत बनाती हैं।